

ज्ञरताधार म

EXTRAORDINARY

भाग Ш—— लाग्ड 1

PART III—Section ा

PUBLISHED BY AUTHORITY

1 2 Provide

सं० 6] No. 6) नई दिल्ली, शुरुवार, प्राप्त 31, 1973/भाव 9 1895

NEW DELHI, PRIDAY, AUGUST 31, 1973/BHADRA 9, 1895

इस भाज में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्क । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

NOTICES UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

New Delhi, the 17th August 1973

No. IAC/Acq.II/(C-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. W-56 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at Delhi on 20th February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957;

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. DLF United Ltd. 40-F Connaught Place, New Delhi.—(Transferor)
- (2) (1) Anana Parkash Gupta, (2) Mohinder Kumar Gupta, P'o 60/2, Ramjas Road, New Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km.....[Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km..... .....[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 56 in Block No.—W measuring 990 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in in the Union Territory of Delhi and bounded as under:

East: Service Lane. West: Road.

100

North: Plot No. W/54. South: Plot No. W/55.

C. V. GUPTE,

Dated: 17th August, 1973.

Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II)

Seal:

Delhi/New Delhi.

\*Strike, off where not applicable.

# कार्यालय सहायकः ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंम रैज 2, नई विल्ली

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ (1) के ग्रधीन सूचनाएं

नई दिल्ली, 17 श्रगस्त, 1973

यत:, मुझें च० वि० गृप्ते भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/ ६० से म्रधिक है भौर जिसकी सं० डब्ल्यू-56 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908

.(1908 का 16) के भ्रष्टील 20-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीका विलेख के भ्रानुसार अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथःपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐंते दृश्यमान प्रक्तिक का पन्द्रह प्रतिजत भ्रष्टिक है और यह कि अन्तरक (अतरकों) भ्रीर अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या ;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय-कर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने के लिए सुकर, बनाना।

भौर यत: भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ;

अतः, भ्रब, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं० डी० एल० एफ० युनाईटिङ लि० (श्रन्तरक) 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली ।
- 2. (1) भ्रानन्द प्रकाश गुप्ता (2) मोंहिन्दर कुमार गुप्ता निवासी 60/2 रामजस रोड, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
- 3. श्री / श्रीमती / कुमारी . . . . . . . . . . . . . (बह व्यक्ति जिसके श्रधिमोग में सम्पत्ति है )

4. श्री / श्रीमती / कुमारी . . . . . . . . . . . . . . . . . (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए एनद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजंन के प्रति भ्राक्षेंप, यदि कोई हो, तो :---

(क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहम्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के श्रित इस सूचना के उत्तर में किए गए आकोंगें यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख आर स्थान नियत किए जायेगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद् द्वारा आगे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है श्राक्षेत्रों की मुनवाई के समय सूने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गड़दों श्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही सर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

# **ग्र**म्सूची

जमीन का एक दुकड़ा जिसका नं० 56 जो कि ब्लाक नं० बब्ल्यू में तथा जिसका क्षेत्रफल 990 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाण II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :---

> पूर्व---सिंस सैन पश्चिम----सड़क उत्तर --प्लाट नं० डब्ल्यू /54 दक्षिण---प्लाट नं० डब्ल्यू /55

> > (जो लागु नहों उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(C-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S-206, situated at Greater Kalish-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparrent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

NOW, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the

following persons, namely:—
(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—(Trans-

feror).
(2) Shri Raj Kishan, S/o Shri Radha Kishan, R/o 1/6, Jor Bagh Market,
New Delhi.—(Transferee).

(3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
(4) Shri /Smt/Km [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in

writing to the undersigned: -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if, any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 206 in Block No. 'S' measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Service Lane. West: Road. North: Plot No. S/204. South: Plot Plot No. S/208.

C. V. GUPTE Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of, Income-tax Acquisition rance-II Delhi/New Delhi.

Dated: 17th August, 1973.

सं आई o ए o सी o /एक्प o II / (सी-8) / 73-74- यत:, मुझें च० वि० गुप्ते आयकर ग्रिधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० एस-206 है, जो ग्रेंटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसस उपावड़ ग्रनसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण ग्रिघिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 26-2-1973 को पूक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के घनुसार धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐंसे भन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम् नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

> (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना. भीर / या ;

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

भीर यत: ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के मन्दीं में पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा प्राधिलिखित किए गए हैं।

ग्रत:, ग्रब, धारा 269 ग के ग्रनुसरण में, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात :--

- 1. मैं॰ डी॰ एल॰ एफ॰ युनाईटिड लि॰ 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (भ्रन्सरक)
- 2. श्री राज किणन पूत्र श्री राधा किशन निवासी 1-6 जोप बाग, मार्केट, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)।

(यह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग श्री/श्रीमती/कुमारी

में सम्पत्ति है )

श्री/श्रीमती/कुमार्री

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधी-हताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति

में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वों का सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखसे 45 दिन की ग्रावधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह ऋधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ऋजेन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हों की सूनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जायेंगे भ्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा भ्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ब्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतब् द्वारा ग्रागे यह ग्रधिसुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ब्राधीन सूचना दी गई है, ब्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ब्राधिकार ओगा।

स्पडटोकरण. — इसमें प्रयुक्त अन्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उम श्रध्याय में दिया गया है

### **ग्रन्**सुची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 206 ब्लाक नं० एस क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर-कैलाश- II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:---

> पूर्व--सर्विस लेन पश्चिम---भड़क उत्तर---प्लाट नं० एस/204 दक्षिण--प्लाट नं० एस/208

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. E-137 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—Transferor).
- (2) Kanwal Kishore Malhotra, s/o Shri Raja Ram Malhotra r/o 1/7, East Patel Nagar, New Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri /Smt/Km [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period

of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if, any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 137 in Block No. 'E' measuring 250 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Service Lane

West: Road

North: Plot No. E/139. South: Plot No. E/135.

\*Strike off where not applicable.

सं श्राई ०ए० सी ०/एक्यु oII/(सी-8)/73-74.—यत:, मुझे, चं० वि० गुप्ते, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269खं के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000 क० से श्रधिक है और जिसकी सं० ई-137 है, जो ग्रेटर कलाण-11, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व क्ष्य से विण्त है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिगत श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने के लिए सुकर बनाना. ग्रीर/या .
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्राय-कर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर, बनाना ।

श्रीर यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रन:, श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- मै० डी० एल० एफ० युनाईटिङ लि०
   40 एफ कनाट प्लेम, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री कंवल किशोर मलहोत्रा पुत्र श्री राजा राम मलहोत्रा निवासी 1/7 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके ग्र<mark>िधभोग में</mark> सम्पत्ति है )
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में <mark>प्रधी-</mark> हस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हिप्तबद्ध है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एनद् द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्तो।क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे श्रांर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकर्ण. ---इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# घनुसुची

जमीन का एक प्लाट जिसका नं० 137 ब्लाक नं० ई तथा क्षेत्रफल 250 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैंगाल, II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थिति है।

पूर्व:--सर्विस लैन

पश्चिम---सङ्क

उत्तर--प्लाट नं० ई/139

वक्षिण--प्लाट नं० ई/135

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S 325 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—(Transferor).
- (2) Shri Joginder Lal Kapur s/o Shri Kundan Lal Kapur, B-315 (F. Type) New No. 269, South Moti Bagh, New Delhi.—(Transferee)
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri /Smt/Km [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if, any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 325 in Block No. S, measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated in village Baharpur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road

West: Service Lane North; Plot No. S/323

South: Road.

\*Strike off where not applicable

सं० ग्राई० ए० सी०/एवपु० II/(सी-8)/73-74.—यतः, मुझे, च० कि० गुप्त ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रीधिक है ग्रीर जिसकी, स० एल 325 है, जो ग्रेटर कैलाश में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्व ६५ से विणत है, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकरी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम 26-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, श्रीर /या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर भ्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर, बनाना।

श्रीर यत:. श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुपरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- मैं० डी० एल एफ युनाइटेड लि० .....(भन्तरक)
   40 एफ कनाट प्लेस, नई विल्ली
- 2. श्री जोगिन्दर लाल कपूर, पुत्रश्री कुन्दन लाला कपूर (श्रन्तरिती) बी-135 (एफ टाईप) न्यु न० 269, साऊष मोती बाग, नई दिल्ली
- 3. भी/श्रीमती/कुमारी......(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री / श्रमती / कुमारी . . . . . . . . . . . . . (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाही शुरु करता हुं उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहण्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतब् द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जायेंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती की बी जाएगी।

एत**र्**द्वारा, भागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पब्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्यान में दिया गया है।

# भ्रन् सूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका न० 325 ब्ताक न० एस क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है : --

> पूर्व-सङ्क पश्चिमी-सर्विस लन

### उत्तर---प्लाट न० एस/323

## दक्षिण-सङ्क

# (जो लागू म हो उसे काट बीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. E-393 situated at Greater Kailash (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 19th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.—(Transferor).
- (2) Smt. Daya Wanti w/o Sh. Ram Prakash Aggarwal r/o L-73 Sarojini Nagar, New Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections. Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 393 in Block No. E measuring 249 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at Village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Service Lane

West: Road

North: Plot No. E/395

South: Road.

### \*Strike off where not applicable

सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु० II/(सी-8)/73-74.—यत:, मुझे, च० वि० गुप्ते श्रायकर, श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी स० ई-393 है, जो ग्रेटर, कैलाश में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तर्रात्यों) के बीच वय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर धनाना. और /या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यतः म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभलिखित किए गए हैं।

म्रतः,मब, धारा 269-ग के मनुसरण में, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उप-धारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथितः—

मै० डी एल एफ युनाईटेड लि० (भ्रन्तरक)
 40 एफ कभाट पैलेस, नई दिल्ली

- 2. श्रीमती दयावन्ती पत्नि श्री राम प्रकाश श्रग्रवाल (भ्रन्तरिती) निवासी एल-73 सरोजनी नगर, नई दिल्ली
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी......(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी......(यह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के प्रति ग्रांक्षेप, यदि को हो, नो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाए होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्राधोहण्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे

एतद्द्वारा यह ऋधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के क्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए क्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख क्रीर स्थान नियत किए जाएगे क्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा क्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के क्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्रारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रमीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण.--- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# त्र गुस्वी

जमीन का एक दुकड़ा जिसका नं ० 393 ब्लाक न ० ई क्षेत्रफल 249 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश 11 के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:---

> पूर्व---सर्विस लन पश्चिम---सड़क उत्तर--प्लाट न० ई/395 दक्षिण---सड़क

> > (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73\_74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. land 14 bighas 5 biswas situated at village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 17th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for him ling proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: -

- (1) M/s. Vedic Vidayalaya (D.A.V.) Higher Secondary School through Shri Mohindra Yadav, s/o Shri Nadar Singh, president of the Committee - (Transferor).
- (2) Shri Ram Chander s/o S. Mohan Singh, r/o village Samepur, Delhi---(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 48 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further noticed that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation,-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land measuring 14 bighas and 5 biswas in Rect. No. 70 killa No. 24 (4—10) Killa No. 25 (4—6), Rect. No. 3, Killa No. 4 (3—5) Killa No. 7 (1—18) situated in village Samepur, Delhi.

\*Strike off where not applicable

सं श्राई० ए० सी०/एक्यु॰ II/(बी-8)/73-74.—यत मुझे, च० वि० गुप्ते, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिपकी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है और जिसकी संख्या 14 विवा 5 विसवा जतीन है, जो गांव भामेपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रिवीन 7 फरवरी 1973 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तियत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के श्रीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप स कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत श्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देते के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
  - (ख).ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य श्रास्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर, बनाना ।

श्रीर यत:, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के अब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाही एक करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

भतः, स्रव, धारा 269-ग के स्रनुसरण में, स्राप्तकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-घ की उप-प्राप्त (1) के सधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, स्रथीत् :---

- श्री/श्रीमती/कुमारी मैं ० वैदिक विद्यालय (डी० ए० वी०) हायर सैंकेन्ड्री स्कूल द्वारा श्री मोहिन्द्र यादव, पुत्र श्री नादर सिंह, प्रधान कमेटी, देहली-42 (प्रान्तरक)
- श्री/श्रीमती/कुमारी श्री राम चन्द्र, पुत्र श्री मोहन सिंह निवासी शामेंपुर, दिल्ली— (अन्तरिती)
- श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4ं, श्री/श्रीमती/कुमारी (बहु व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धहैं)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही गुरु करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति श्राक्षेंप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हुर ऐसे ब्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिनी को दो जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्वष्टोकररा: --इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धन्सूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 14 बीधे 5 विसवे रेक्ट स  $\circ$  70 किला न  $\circ$  24 (4-10) किला न  $\circ$  25 (4-6) रेक्ट न  $\circ$  3 किला न  $\circ$  4 (3-5) किला न  $\circ$  7 (1-8) जो कि गांव शार्ेपुर दिल्ली में है।

# (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

- No. IAC/Acq.II/(B-8)/73\_74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land 2 bighas 5 biswas situated at village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11)

of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Vedic Vldayalaya (D.A.V.) Higher Secondary School, village Samepur, Delhi (i)—(Transferor).
- (2) S/Shri Deep Chand, s/o Shri Mir Singh; (ii) Mool Chand, s/o Faquira; (iii) Om Parkash, s/o Kawal Ram; (iv) Smt. Bimla, w/o Shri Balbir Singh; (v) Smt. Kanta, w/o Shri Barinder Singh; (vi) Mohan Lal. s/o Shri Net Ram (All residents of village Samepur, Delhi.—(Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shri/Smt./Km. [Person(s) whom the undersinged knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if, any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land measuring 2 bighas and 5 biswas in Rect. No. 39 Killa No. 16 situated at village Samepur, Delhl (Union Territory of Delhi, within 'Lal Dora').

\*Strike off where not applicable.

सं० साई० ए० सी०/एकपु० II/(बी-8)/73-74. —यतः मुझे, सी० वि० गुप्ते, श्रायकर श्रांध नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रू० से श्रधिक है और जिसकी मं० 2 बीघा 5 विसवा है, जो गांव शामेंपुर, दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरा श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि

श्रन्तरक ( श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिति (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न्€ीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर, बनाना ।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किये गये हैं

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

1. मैं० वैदिक विद्यालय (डी०ए०वी०) हायर सैकेन्ड्री स्कूल, वि शामेपुर, दिल्ली

**श्र**न्तर्क

- (i) सर्वे श्री दीपचन्द पृष्ठ श्री मोर सिंह
- (1i) मूल चन्द पुत्न फकीरा
- (iii) श्रोम प्रकाश पुत्र कवल राम
- (iV) श्रोमती बिमला पत्निश्री बलबीर सिंह्
- (V) श्रीमती कान्ता पत्नी श्री बिरिन्द्र सिंह
- (VI) मोहन लाल पुत्र श्री नेत राम सभी निवासी गांव शामेपूर, दिल्ली

ग्रन्तरिती

3. श्री/श्रीमती/कुमारी

( वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है )

4. श्री/श्रीमती/कुमारी

(यह व्यक्ति जिसके बारे में

भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन**बढ़** है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए प्रति श्रांक्षेप , यदि कोई हो, तो :---

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गए श्राक्षेयों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः :---इसमें प्रयक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 ( 1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

### ग्रनुसुची

भूमि का क्षेत्रफल 2 वीघे 5 विसर्वे जो रेक्ट नं० 39 किला नं० 16 जो गांव शामेपुर दिल्ली में स्थित है, श्रीर लाल डोरा के अन्धर ।

(जो लाग न हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq.II/(B-8)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land 3 Bighas 10 Biswas situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 17th February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income\_tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 M/s. Vedic Vidayala (D.A.V.) Higher Secondary School at village Samepur, Delhi—(Transferor).

- (2) Shri Deep Chand, s/o Shri Mir Singh, r/o Village Samepur, Delhi— (Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Shrl/Smt./Km. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land measuring 3 bighas and 10 biswas out of Rect, 39 Killa No. 4 and Killa No. 17 measuring 150 x 260 and bounded as under:—

North: Bhona Road

South: School

East: Passage 25 out of Killa No. 150, Rect. 39

West: School land.

C. V. GUPTE,

Competent Authority

Income-tax Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

\*Strike off where not applicable.

सं० आहि० ए० सी० एवप्० II/(बी-8)/73-74.—यतः, मुझे, सी० वि० गुष्टे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/— रुपये से अधिक और जिसकी सं० भूमि 3 बीधा 10 विमवा जो गांव शामेपुर है दिल्ली में स्थित है, (और इमसे उपाबद्ध अनुसूचो में पूर्व रूप से विणत है, ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्यांलय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 धा 16) के अधीन रिजर्मित्र के उचित बाजार मृत्य से नाम के हश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय

पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ़ के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिंगू मुक्तर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किनो धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के मन्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, श्रायक्षर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उन-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रथीन :---

- 1. मैं ० वैदिक विद्यालय, (डीं० ए० वीं०) हायर भैंकेन्द्री स्कूल, गांव शामेपुर, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री दीप चन्द, पुत्र श्री मीर्रानह, निशासी गांव गार्नेप्र दिल्ली, (ब्रन्तरिती )
- श्री / श्रीमती / कुमारी वह व्यक्ति (जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबद्ध हूं)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो , तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाण की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियन किए

जायेंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा ब्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदहारा श्रागे यह श्रधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पब्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में यथा-परिभाषित हैं, यही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

# ग्रनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3 बीघे 10 बिशवे जिस में से आयताकार किला नं० 4 श्रीर 

उत्तर---मवाना रोड दक्षिण-स्कृल पूर्व---रास्ता 25 किला नं० 150 ग्रायातकार 39 पश्चिम—स्कुल की भूमि

च० वि० गुप्ते,

तारीख 18 भ्रगस्त, 1973

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

मोहर :

(जो लाग न हो उमें बाट दीजिए)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

NOTICED UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bombay, the 16th August-1973

No. AR-II/253/359/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. New S. No. 380 (part) situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1st February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer of (s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dhanpati Thackersey Hirji alias Dhanpati Thackersey. (2) Shri Bhagwandas Jamnadas, and (3) Shri Ranjit Jamnadas, 34 Walkeshwar Road, Bombay-6.—(*Transferor*).
- (2) Shri Mohan Thanwandas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(*Transferee*).
- \*(3) Shri/Smt./Km. (Person in occupation of the property).
- \*(4) (1) Smt. Taramati w/o Bhagwandas Jamnadas, (2) Smt. Ranjana w/o Ranjit Jamnadas, (3) Shri Bhagwandas Jamnadas, (4) Shri Ishwardas Thanwandas Jethwani.—(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

All that vacant piece or parcel of land or ground situate, lying and being at Mulund in Tajuka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub District of Bandra bearing Old Survey No. 232 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedulet hereinabove written admeasuring to 6210 square yards equivalent to 5192.39 square metres or thereabout and bounded as follows; that is to say on or to wards the North partly by Plot No. 8, partly by Plot No. 7 and on or towards the South by area reserved for forest on or towards the East by Survey No. 377 on or towards the West by Survey No. 351 and reserved for forest.

<sup>\*[</sup>Strike off where not applicable.]

<sup>†</sup>Vide Annexure 'A' attached herewith

#### ANNEXURE 'A'

#### The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 380 (part) and admeasuring 22116 square yards equivalent to 18492.29 square metres or thereabout and bounded as follows: On or towards the North partly by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Housing on or towards the South by the land reserved for forests, on or towards the West by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and on or towards the East partly by the land bearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

# भ्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रक्षीन सूचनाए सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) कार्यालय भ्रजन रेंज 2, बम्बई

# बम्बई, 16 श्रगस्त, 1973

सं० श्र०ई०-2/253/359/72-73. - श्रतः मुझे श्री तद श्रन्जारिया, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई, ग्रायकर श्राधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का, कारण है कि श्रस्थाई सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० में श्रिधक है श्रीर जिसकी सं० नया स० स० 380 (श्रंग), है, जो मुनुण्ड में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता, श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-2-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुमार श्रन्तिरत्त की गई है, श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरितों (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मृकण बनाना, भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के लिए मुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शक् करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रनः, श्रव धारा 269-ग के श्रनुभरण में, मैं श्रायकर प्रधित्तियम, 1961 (1961 का 43) को बारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथात् :—

- (1) श्री धन्यती ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपति ठाकरसी,
   (2) श्री भगवानदास जमनादास,
   (3) श्री रणजीत जमनादास,
   34, वालेकेश्वर रोड, बम्बई-6)
- 2. श्रो मोहन थावरदास जेठवानी /4/6, मुलुण्ड वालीनी, बम्बर्ध-82-(**मन्तरिती**)
- श्रो/श्रोमती/कुमारो (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4. (1) श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास (2) श्रीमती रंजना रणजीत जमनादास (3) श्री भगवान दास जमनादास, (4) श्री ईश्वरदास थावरदास जेठवानी । (5) में हिनबद्ध है ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां णुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्द्वारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः :--इसमें प्रयुक्त गब्दों स्नौर पदों का जो झायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही झर्थ होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है ।

# **प्रतु**सूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट नालुका के मुलुण्ड में स्थित, मौजूद एवं पड़ा हुन्ना है जिसका पुराना सर्वेक्षण कं० 231 (श्रंग) एवं नया सर्वेक्षण कं० 380 (श्रंग) है एवं यहां उत्पर उल्लिखित प्रथम श्रनुसूची (साथ में यहां पर मंलग्न परिणिष्ट 'श्र' के मुताबिक) में विणित भूमि का श्रंग है जो कि माप करीब 6210 वर्ग गज यानी कि 5192-39 बगमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुन्ना है :---

उत्तर में या ग्रोर—कुछ ग्रंग प्लाट कं० 8, कुछ ग्रंग प्लाट कं० 7 एवं कुछ ग्रंग बगीचा। दक्षिण में या ग्रोर—-जंगल के लिए ग्रारक्षित क्षेत्र। पूर्व में या ग्रोर—सर्वेक्षण कं० 377 वाली भूमि पश्चिम में या ग्रोर—-सर्वेक्षण कं० 351 वाली भूमि एवं जंगल के लिए ग्रारक्षित क्षेत्र।

#### परिशिष्ट 'ऋ'

# प्रथम अन्सूची

भिम या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रिजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालमेट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण नं० कं० 231 (श्रंश) एवं नथा मर्बेक्षण कं० 3.80 (श्रंश) है जो कि माप से करीब 22116 वर्गगज यानी कि 18492-29 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार घिरा हुआ है :--

उत्तर में या ग्रोर—कुछ ग्रंग सर्वेक्षण कं. 376 वाली भूमि एवं कुछ ग्रंग घोषी गृह के लिए ग्रारक्षित भूमि, पश्चिम में या ग्रोर—सर्वेक्षण कं. 351 (ग्रंग) वाली भूमि एवं जंगल के लिये ग्रारक्षित भूमि, पूर्व में या ग्रोर—कुछ ग्रंग सर्वेक्षण कं. 232 (ग्रंग) वाली भूमि एवं मर्वेक्षण कं. 377 वाली भूमि ।

तारीख: 16 श्रगस्त, 1973 ।

माह:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

No. AR-II/245/344/72\_73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) Sub-Divided Plot No. 4 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1st February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Dhanpati Thackersey Hirji alias Dhanpati Thackersey.
  - (il) Shri Bhagwandas Jamnadas.
  - (iii) Shri Ranjit Jamnadas, 34. Walkeshwar Road, Bombay-6.—(Transferor),
- (2) Shri Gianchard Thanwandas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(Transferee).
- \*(3) Shri/Smt./Kum.........
- \*(4) (i) Smt. Taramati, w/o. Bhagwandas Jamnadas.
  - (ii) Smt. Ranjana, w/o, Ranjit Jamnadas.
  - (iii) Shri Bhagwandas Jampadas.
  - (iv) Shri Ishwardas Thanwandas Jethwani—Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfered of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

All that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old Survey No. 231 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedule\* hereinabove written and bearing Sub-Divided Plot No. 4 admeasuring to 858 square yards equivalent to 717.38 square metres or thereabouts and bounded as follows. ON or towards the NORTH by Water Duct Line. ON or towards the SOUTH by 30' Road and beyond that partly by sub-divided Plot No. 7 and partly by Garden A ON or towards the EAST by sub-divided Plot No. 5 of the said Scheme and ON or towards the WEST by sub-divided Plot No. 3.

# ANNEXURE 'A' The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 380 (part) and admeasuring 22116 square vards equivalent to 18492.29 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH PARTLY by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Housing ON or towards the South by the land reserved for forest ON or towards the WEST by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and ON or towards the EAST partly by the land bearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

<sup>\*</sup>Vide Annexure 'A' attached herewith.

सं0 श्र0 ई 0-2/245/344/72-73.-श्रतः मृझे श्री न० द० ग्रन्जारिया, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज---- 2 बम्बई, ग्रायकर ग्रिधिनियम . 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रिधिन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का, कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है और जिसकी सं० नया स.स. 380 (ग्रंश), उप-विभाजित प्लाट सं० 4. है, जो मुलुण्ड में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई. में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधिन 1-2-1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल जमनिलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना, और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के सब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री/श्रीमती/कृमारी श्री धनप्रती ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपती ठाकरसी।
- 2. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री भगवानदास जमनादास ,
- श्रो/श्रोमतो/कुमारी श्री रणजीत जमनादास
- 4, श्री/श्रीमती/कुमारी वालकेश्वर रोड, बम्बई-6। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री १ मती/कुमारी श्री ग्यानचंदर्थां वरदास जेठवानी (ग्रन्तरिती) ब्लाक नं० 4/6, मुलुण्ड कालनी, बम्बर्: 82 ।

3. श्री/श्रीमती/कुमारी

(वह व्यक्ति , जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है )

- 4. श्री/श्रीमती/कृमारी
  - 1. श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास (वह व्यक्ति , जिसके बारे में श्रधी-
  - 2. श्रीमती रंजना रणजीत भगवानदास जमनादास हस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति
  - 3. श्री भगवान दास जमना दास

में हितबद्ध है।)

4. श्री ईश्वरदास थांवरदास जेठवानी

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की भ्रविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतब् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आंक्षेपों, , यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को श्री जाएगी।

एतक्दारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधिन मूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्वण्ड।करण: इसमें प्रयुक्त शब्द या ग्रौर पदों का जो ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रथ्याय में दिया गया है ।

# प्रमुखो

भूमि या मैंदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रिजस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सानसेंट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित, मौजूदा व पड़ा हुआ है जिसका पुराना सर्वेक्षण क० 231 (श्रंश) एवं नया व सर्वेक्षण क० . 380 (श्रंश) है एवं यहां पर उल्लिखित प्रथम अनुसूची\* में विणित भूमि का श्रंग है तथा उप-विभाजित प्लाट न० 4 धारण किये हुए है जो कि माप से करीब 858 वर्गणज यानी कि 717—38 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से घरा हुआ है :—

उत्तर में या और—वाटर डच लाईन , दक्षिण में या भ्रोर—30 फीट सड़क एवं उससे भ्रागे कुछ ग्रंश उप-विभाजित प्लाट ऋं० 7 तथा कुछ भ्रंश बगीचा ए, पूर्व में या भ्रोर—उपरोक्स योजना के उप-विभाजित प्लाट ऋं० 5, पश्चिम में या श्रोर—उप-विभाजित प्लाट ऋं० 3.

<sup>\*</sup>साथ में यहां पर संलग्न परिशिष्ट 'प्र' के मुताविक

#### परिज्ञिष्ट 'श्र्र'

# प्रथम प्रत्सूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रिजस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण कं० 231 (श्रंण) एवं नया सर्वेक्षण कं० 380 (श्रंण) है जो कि माप से करीब 22116 वर्गगज यानी कि 18492-29 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्ह प्रकार में घरा हुआ है:—

उत्तर में या भ्रोर—कुछ श्रंण सर्वे क्षण ऋं०. 376 वाली भूमि एवं कुछ श्रंण घोषी गृह के लिये आरक्षित भूमि, दक्षिण में या श्रोर— जंगल के लिये भ्रारक्षित भूमि, पश्चिम में या श्रोर— सर्वेक्षण ऋं० 351 (श्रंण) वाली भूमि एवं जंगल के लिये श्रारक्षित भूमि, पूर्व में या श्रोर—कुछ श्रंण सर्वेक्षण ऋं०. 232 (श्रंण) वाली भूमि एवं सर्वेक्षण ऋं०. 377 वाली भूमि ।

No. AR-II/248/347/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Astt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) Sub-Divided Plot No. 8 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3rd February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Dhanpati Thackersey Hirji alias Dhanpati Thackersey.
  - (ii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
  - (jii) Shri Ranjit Jamnadas, 34, Walkeshwar Road, Bombay-6.—(Transferor).
- (2) Shri Kishanchand Thanwardas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82,--(Transferee).

- \*(3) Shri/Smt./Kum—(Person in occupation of the property)
- \*(4) (i) Smt. Taramati. w/o. Bhagwandas Jamnadas.
  - (ii) Smt. Ranjana, w/o. Ranjit Jamnadas.
  - (iii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
  - (iv) Shri Ishwardas Thanwandas Jethwani.—(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act,  $1^61$  (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

The Schedule

All that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old Survey No. 231 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedule hereinabove written and bearing Sub-Divided Plot No. 5 admeasuring to 980 square yards equivalent to 819.4 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH by water Dust Line, ON or towards the SOUTH party by 30' Road of the said Scheme and partly by Garden 'B', ON or towards the East by Garden 'B' and that the sub-divided Plot No. 6 of the Scheme and ON or towards the WEST by sub-divided Plot No. 4 of the said Scheme.

#### Annexure 'A' The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or group strate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Brook South Salsette in the Brook South Salsette in the Brook South Salsette in the Registration Sub-District Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 280 (part) and admeasuring 22116 square yards equivalent to 18492.29 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH PARTLY by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Housing ON or towards the SOUTH by the land reserved for forests, ON or towards the WEST by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and ON or towards the EAST partly by the land bearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

\*Strike off where not applicable.

सं० म्र० ई०-2/244/343/72-73.—- ग्रतः मुझे, श्री न०द० ग्रन्जारिया, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 बम्बई, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ख के ग्राधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क० में ग्राधिक है ग्रीर जिसकी सं० नया स०स० 380 (ग्रंण), उप-विभाजित प्लाट है, जो मुल्एड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधिन 1-2-1973 को पूर्वोंक्त् सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विशवस करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से,

ऐसे बृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मिधक है श्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)श्रीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-यं की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयत् :-

- 1. (i) श्री धनपती ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपती ठाकरसी (ii) श्री धनपती ठाकरसी (ii) श्री प्रणजीत जमनादास, 34, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6-(श्चन्तरक)
- 2. श्री किशीनचन्द थांवरदास जेठवानी, 4/6, मुलुण्ड का तोनी, बम्बई-82-(भ्रन्तरिती)
- \*3. श्री/श्रीमती/कुमारी-(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)
- \*4. (i) श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास, (ii) श्रीमती रंजना रणजीत जमनादास, (iii)श्री भगवानदास जमनादास, (iv) श्री ६ घ्वरदास वांवरदास जैठवानी—(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रष्टोस्हताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए एत्दद्वारा कार्यवाहियां भृदकरता हूं। उक्त सम्पत्ति के मर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एतब्दारा यह म्राधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति मर्जन के रित इस सूचना के उत्तर में किये गये म्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सूनवाई के लिए तारीख मोर स्थान नियत किये जायों गे ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को बी जायेगी।

एत**ब्**द्वारा द्वागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ब्रधीन सूचना दी गई है, ब्राक्षेंगों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

रपष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1861) का 43) के श्रवायाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

# **ध्र**त्तुको

भृमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रिजिस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलुण्ड में रिथत, मौजूद एवं पड़ा हुग्ना है जिसका पुराना सर्वेक्षण ऋं 231 (श्रंश) एवं नया सर्वेक्षण ऋं 380 (श्रंश) है एवं यहां उपर उल्लिखित प्रथम श्रमुसूची में विणित भूमि का श्रंग है तथा उपविभाजित प्लाट ऋं० 5 धारण किये हुए है जो कि माप से करीब 980 वर्गगज यानी कि 819-4 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निस्तप्रकार से धिरा हुग्ना है:——

उत्तर में या भ्रोर--वाटर डच लाइन, वक्षिण में या भ्रोर -- कुछ श्रंश उपरोक्त योजना की 30 फीट सड़क एवं कुछ श्रंश बगोचा बी, पूर्व में या भ्रोर--बगीचा बी, तथा योजना का उप-विभाजित प्लाट कं० 6. पश्चिम में या भ्रोर ---उपरोक्त योजना का उप-विभाजित प्लाट कं० 4।

# पारिकाष्ठ 'ब्र' प्रथम अनुसुची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रिजस्ट्री उप-जिला के विक्षण सालसेट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण कं० 231(श्रंश) एवं नया सर्वेक्षण कं० 380 (श्रंश) है जो कि माप से करीब 22116 वर्गगज यानी कि 18492—29 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्नप्रकार से घरा हुआ है:—

उत्तर में या घोर—कुछ ग्रंग सर्वेक्षण कंठ 376 नानी भूमि एव कुछ ग्रंग घोषी गृह के लिए ग्रारक्षित भूमि, दक्षिण में या ग्रोर—जंगल के लिए ग्रारक्षित भूमि, पिच्चम में या ग्रोर—सर्वेक्षण कंठ 351(ग्रंग) वाली भूमि एवं जंगल के लिए ग्रारक्षित भूमि, पूर्व में या ग्रोर—कुछ ग्रंग मर्वेक्षण कंठ 232 (ग्रंग) वाली भूमि एवं सर्वेक्षण संठ 377 वाली भूमि ।

<sup>\*</sup> जो लागून हो उसे काट दीजिए । †साथ में यहां पर सलम्म परिणिष्ट 'ग्रं' के मुताबिक ।

- No. AR-II/265/376/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing S. No. 169, H. No. 9, S. No. 125, S. No. 171, H. No. 10(p), City Survey No. 2079 to 2128 and 2130 to 2138 and part of City Survey No. 2139 situated at Ghatkopar, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 15th February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfror(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income\_tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Purshottam Jammadas Parekh, "Rajesh", R. B. Mehta Road, Ghatkopar, Bombay-77.—(Transferor).
- (2) Shri Goshalia Ratilal Vithaldas (Gadhda Niwas) Dashashrimali Jain Vidhyarthi Griha Saverkundia (Saurashtra) Charitable Public Trust Fund C/o. Jayantilal Bros. Gopal Niwas, 1st floor, 133, Princess Street, Bombay-2. (Transferee).
- \*(3) Shri/Smt./Kum. As per Annexure 'A' (person in occupation of the property).
- (4) Smt. Devyani G. Parekh (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

<sup>\*</sup>Strike out where not applicable.

#### THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land situate lying and being at Ghatkopar in Greater Bombay in Registration Sub-District of Bandra, Dis-Ghatkopar in Greater Bombay in Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban together with the building and structure now standing thereon bearing S. No. 160, H. No. 9 admeasuring about 1244 sq. yds. equivalent to 1040.10 sq. metres, S. No. 125 admeasuring about 1536 sq. yds. equivalent to 1284.24 sq. metres and S. No. 171, H. No. 10(p) admeasuring about 1284 sq. yds. equivalent to 1073.56 hq. metres aggregating to 4064.00 sq. yds. equivalent to 5397.90 sq. metres bearing City Survey No. 2079 to 2128 and 2130 to 2138 and part of City Survey No. 2139 of Village Ghatkopar Kirol and bearing following Municipal Ward Numbers: N6549(1). 6549(1A), 6549(2), 6549(3), 6549(5), 6549(7), 6549(8), 6549(9A), 6549(9A), 6549(10) and 6549(10AA) and the properties standing thereon known as "Gopal Bhavan", "Gopal Bhavan Chawl", "Parekh Bhavan" Chawl", "Ganga Wadi No. 3", "Temporary Chawl No. 1" and "Temporary Chawl No. 3" and bounded as follows; On the NORTH by partly 20" passage, partly by Patel Bhuvan and partly by building known as Nathalal Bhuvan; SOUTH by Survey No. 169, WEST by Survey No. 171, Hissa No. 10 (part); EAST by Bombay Agra Road. (part); EAST by Bombay Agra Road.

#### ANNEXURE 'A'

(Persons in occupation of the property)

#### Gopal Bhavan

Ratilal Lalji.

2. Premji Bhimasi.

- 3. Sureshchandra Amabalai.
- 4. Jethalal Bhimsi.
  5. Vrajlal Jamnadas.
  6. Jethalal Premji.
  7. Jayant Shamji.
- 7. Jayant Shamji. 8. Ratansi Ravaji. 9. Hiralal Ravaji.
- 10. Nirmala Tapubhai
- Jagjivan Ramji.
   Manilal Bhagwandas.
- Maganlal Bhavanji.
   Dulerai Amritlal.
- 15. Champalal Ramkishan.

- 16. Gangabai Amritlal 17. Ratansi Khimaji. 18. Motiben Shomnathbhai.
- Pranjivandas P. Parekh.
   Lomeshchandra Kothari.
- 21. Maganlal Nathalal.
- 22. Kusumben Virchand. 23. Kantilal Talapchand.
- 24. Bhikhalal Lallubhai.
- 25. Dalichand Dosabhai.26. Chapsi Bhimsi.27. Nandlal Motichand.

- 28. Rameshchandra Shah,
- 29. Nanaji Bhimasi. 30. Nanaji Mulaji.
- 31. Bhanbhai Bhimasi.
- 32. Harshadrai M. Parekh. 33. Harshadrai M. Parekh.
- 34. Ratansi Pragaji.
- 35. Sadanand Hotel. (Devu Shetty).

- 36. Premaji Ratensi. 37. Parasnath Ramlagan. 38. Parasnath M. Ramlagan.
- Narayan Mulshanker.
- 40. Dhanji Aralan.
- 41. Chimanlal Hemchand. 42. Savitribai Namdev.
- 43. John Bepty's Demollo.
- 44. Bhasker Shetty. 45. Manhari Jivram.

#### Parekh Bhuvan

- Manchhaben Jayantilal.
- Shantilal Trikamji.
- 3. Hasmukhrai Bhansushanker. 4. Popatlal Purshottam. 5. Dungarsi Hirji.

- Kunjan Gangaprasad.
   Purshottam Dubbar.
- 7. Purshottam Dubbar.
  8. Hansaben Chandulal.
  9. Dahyabhai Manajibhai Patel.
  10. Shankerlal Liladhar.
  11. Nyalchand Zaverchand.
  12. Suryakanta Shankerlal.
  13. Pranshanker Chhaganlal.
  14. Nitaben Maniganpati.
  15. Manjula Prabhudas.
  16. Chandulal Tribhovandas.
  17. Manoharlal Ratllal.

- Cnandulal Tribhovandas.
   Manoharlal Ratilal.
   Narmada Shanker Jethalal.
   Somnath Girdharbhai.
   Khimaji Velji.
   Lilavati Damodardas.
   Rajanikant Kantilal.
   Vrajlal Thakarsi.
   Chhotalal Narbhiram.
   Praylichandra I Rajarri.

- 25. Pravinchandra J. Rajgaru.

- Pravinchandra J. Rajgaru.
   Natverlal Bhansushanker.
   Narottamdas Harilal.
   Vanechand Dosabhai.
   Savitaben Nagindas.
   Gautamlal Tulasidas.
   Bhupendra Bhaichand.
   Hasmukhrai Girajashanker.
   Natverlal Hargovindas.
   Rajvantrai Mohanlal.
- 34. Balvantrai Mohanlal.
- 35. Tukaram Gyandev. 36. Jitendra Jantilal. 37. Sahebali Abdulali.

- 38. Jaynatilal Keshavji. 39. Mahamod Rafi Tejali.

### Gangavadi Chawl No. 3

- 1. Laxmishanker Narmadashanker
- Natverlal Keshavej.
   Prabhudas Mulasjibhai.
- 4. Mulshanker Shrikrishna.
  5. Maganlal Narmadashanker.
  6. Jayantilal Ratansi.
  7. Natverlal Muralidas.

- Vijya Amritlal.
   Laxmidas Vardichand.
- Khatasi Hansraj.
- Nirmala Tapubhai.
   Zaverilal Amritlal.

## Temporary Chawl No. 3

- Jashvantrai Bhikhalal.
   Puspavati Anantrai.
- Chhaganlal Hargovind.

### Temporary Chawl No. 1

- Mahadev Laxman.
   Sarasvati Velii.
   Ratilal Amritlal.
- Manubhai Gordhandas.
- Kieshavii Pragaji.
- Arjan Karsan.
   Mulaji Kuvarji.
- 8. Ramaji Rughenath.

- 9. Vallabhdas Girdhardas.
- 10. Jerambhai Laxmidas.

- Hiraji Ramaji.
   Valaji Manaji.
   Dyaneshwar Yashwant.
- 14. Harshad Gangaram, 15. Thakarshi Premaji, 16. Jivaraj Velaji,
- 17. Kantilal Shivaram.
- 18. Maniban Hiraji. Davaji Dharamshi.
- 20. Maniben Hiraji.

Dated 16th August, 1973.

सं का ई-2/265/376/7273.-- ग्रतः मुझे श्री न द अन्जारीया सहायक ग्रायकर 2 बम्बई, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 म्रायक्त (निरिक्षण) मर्जन रेंज का 43)की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० स०सं० 169, हि०सं०9, स०सं० 125, स०सं० 171 है, जो घाटकोपर बम्बई में स्थिति है (ग्रौर इससे उपाबन्द्ध ग्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-2-1973 की पूर्वीक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उन्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते के लिए सुकर बनाना , भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ ग्रन्स्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, श्रीर श्रतः ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा श्रमिलिखित किए गए हैं।

ग्रसः ग्रब धारा 269-ग के ग्रनुसरण में म ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत् :---

> श्री पुरषोत्तम जमनाद्यास पारेख (भ्रन्तरक) 'राजेश' भ्रार० बी० भेहता रोड, ध(टकोपर, बम्बई 77

- 2. घोषालिया रतिलाल बिड्डलदास (मघडानिवास) (श्रन्तरिती) दर्शाणमाली जैन विद्यार्थी गृह मावेर कुंडला (सौराष्ट्र) चेरीटेबन ट्रस्ट फंड द्वारा जयंतीलाल बदर्स गोपाल निनास । ला माला 133 प्रीन्सेस स्टीट, बम्बई-2
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी सलग्न परिणिष्ट 'श्र' के श्रनुसार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है )
- 4. श्रीमती देवयानी सी पारेख

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रिष्ठोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबऊ है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं । उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो,तो :--

हि॰सं॰ 10(श्रंग), सीटी मर्नेक्षण सं॰ 2079 में 2128 श्रौर 2130 से 2138 श्रौर नगर सर्वेक्षण सं 2137

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

एतव्दारा यह श्रिध्सूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षणों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रीर स्थान नियत किए जाएंगे ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने एसा श्राक्षण किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्त-रिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर एक ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधिन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा। स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का जो आयकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची :

भूति के ये उपम दुकड़े या भाग जो कि रिजस्ट्री उपजिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर के धारकोपर में स्थित मौजूद एवं पड़े हुए है उन पर प्राव निर्मित इमारत एवं ढांचों सिहत जिनका कि सर्वेक्षण कं० 169 हिस्सा कं० 9, व मापसे करीब 1244 वर्गगज यानी कि 1040, 10 वर्ग मीटर, सर्वेक्षण कं० 125 माप से करीब 1536 वर्गगज यानी की 12480 24 वर्गमीटर तथा सर्वेक्षण कं० 171, हिस्सा क 10 (श्रंग), माप से करीब 1284 वर्गगज यानी कि 1073, 56 वर्ग मीटर, जिनका कुल योग 4064 वर्गगज यानी कि 3397, 90 वर्ग मीटर है जिनका कि नगर सर्वेक्षण कं 2079 से 2128 एवं 2130 से 2138 एवं ग्रामधारकोपर किरोल के नगर सर्वेक्षण कं० 2139 का श्रंग एवं निम्न लिखित नगर पालिका वार्ड संख्यायें धारण किये हुए हैं:—एन 6549(1), 6549(10), 6549(2), 6549(3), 6549(5), 6549(7), 6549(8), 9549(9), 6549(9ए), 6549(10) एवं 6549(10 एए), एवं वहां पर खड़ी हुर्शी जायदाद इस प्रकार से जानी जाती है :-"गोपाल

भ्यवन " "गोपाल भवन चाल" "पारेख भवन " "पारेख भवन चाल " गंगावाडी सं० 3 "ग्रस्थाई चाल सं० 9" ग्रौर श्रस्थायी चाल सं० 3, तथा निम्न प्रकार से घिरे हुए हैं :— उत्तर में या ग्रोर कुछ ग्रंश 20 फीट चौड़ा रास्ता, कुछ ग्रंश पर्टेल भूवन एवं कुछ ग्रंश नाशालाल भूवन नाम से जाना जाने वाला मकान, दक्षिण में या ग्रोर— सर्वेक्षण कं० 169, पश्चिम में या गोर— सर्वेक्षण कं० 171 हिस्मा कं० 10 (ग्रंश), पूर्व में या ग्रोर—वम्बई श्रागरा रोड़ ।

### परिज्ञिष्ट 'श्र'

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

## गोपाल भूवन

- 1. रतनलाल लालजी
- प्रेमजी भीमसिंग
- स्रेशचन्द्र भ्रम्बालाल
- 4. जेठालाल भीमसिंग
- अजलाल जमनादास
- 6. जेठालाल प्रेमजी
- 7. जयंत शामजी
- 8. रतनशी रावजी
- 9, हिरालाल भावजी
- 10. निर्मेला तापूभाई
- 11. जगजीवन रामजी
- 12. मणीलाल भगवानदास
- 13. मगनलाल भवानजी
- 14. दुलेराई अमृतलाल
- 15. चंपालाल रामकिशन
- 16. गंगाबाई अमृतलाल
- 17. रतनशी खीमजी
- 18. मोतीबेन सोमनाथभाई
- 19. प्राणजीवनदास पी प्रकाश
- 20. लोमेशचन्द्र कोठारी
- 21. मगनलाल नाथालाल
- 22. कुसूमबेन विरचन्द
- 23. कांसीलाल तलापचंद
- 24. मिकालाल लल्लुभाई
- 25. दालीचंद दोराभाई
- 26. चम्पसी भिमसी
- 27. नंदलाल मोतीचंदः
- 28. रमेशचंद्र शाहा
- 29. नानजी भिमसी
- 30. नानजी मुलाजी
- 31. मानाभाई भिमसी
- 32. हर्गदराय परेख

- 33. हर्षदराय पारेख
- 34. रतनजी प्रागर्जा
- 35 सदानन्द हॉटेल (देव शेट्री)
- 36 प्रेमजी रतनजी
- 37. पारसनाथ रामलागन
- 38. पारमनाथ श्रीर रामलागन
- 39. नारायन मुलशंकर
- 40. धानजी ग्रजंन
- 41. चिमनलाल डेमचद
- 42. सावित्री बाई मामदेव
- 43. जॉन बेष्टीज डिमेली
- 44. भनहरराय जीवराम
- 45. भास्कर शेडी

### पारेख भूवन

- 1. मंगाबेन जयंतीलाल
- 2. शातीलाल क्षिकमजी
- 3. हसम्खराय भान्णकर
- 4. पोपटलाल पूर्वोत्तमदास
- डुंगरशी हिरजी भाई
- कुंजन गंगाप्रसाद
- पुरषोत्तम दुबार
- हंमाबेन चंदुलाल
- 9. वयाभाई मानजीभाई पटेल
- 10. शंकरलाल लीलाधर
- 11. न्यालचंद झवेरचंद
- 12. सूर्यकांत शंकरलाल
- प्राणशंकर छगनलाल
- 14. निलाबेनमणी गोसपतीं
- मंजूला प्रभूदास
- 16. चंदुलाल विभवनदाम
- 17. मनहरलाल मोतीलाल,
- 18. नर्मदा शंकर जेठालाल
- 19. सोमनाथ गिरधरभाई
- 20. खिमजी बेलजी
- 21. लीजावती दामोदरदास
- 22. रजनीकांत कांतीलाल
- 23 ब्रजलाल ठाकरसी
- 24. छोटालाल नारशीराम
- 25. प्रवीनचन्द्र जे राजगुरु
- 26. नटवरलाल भान्शंकर

- 27. नरोत्तमदास हरीलाल
- 28. वानेचंद दोसभाई
- 29. सविताबेन नगीनदाम
- 30. गौतमलाल तुलसीदास
- 31. भूपेन्द्र भाईसंद
- 32. हममुखराम गिरधरशकर
- 33. नटबरलाल हरगोविददाम
- 34. बलवंतराय मोहनलाल
- 35. सलून मुकाराम म्यानदेव
- 36. विद्युतगृह . जितेन्द्र जयतीलाल
- 37. गोदाम साहेबग्रली ग्रब्दुलग्रली
- 38. जयंतीलाल केशवजी
- 39. महंमद रफी तेजाली

### गंगाबाडी चाल स० 3

- 1. लक्ष्मीशंकर नर्मदाशंकर
- 2. मटवरलाल केशवजी
- 3. प्रभुदास मुलजीभाई
- 4. म्लशंकर श्रीकृशन
- 5 मगनलाल नर्मदाशंकर
- 6. जयतीलात रतन*म*े
- 7. नटबरलाल मुरारीदास
- विजया ग्रमृतलाल
   लक्ष्मीदास वरधीचंद
- 10 खेनशो हमराज
- 11. निर्मला नापुभाई
- 12. जवेरीलास धमतलाल

### ग्रस्थाई चाल सं० 3

- जसकतराय भिकालाल
- 2. पुष्पावती श्रनन्तराय
- 3. छगनलाल हरगोविद

### भ्रस्थाई **चाल** सं०।

- 1. महादेव लक्ष्मन
- 2. मरस्वती वेलजी
- 3. रतीलाल भ्रमृतलाल
- 4. मनुभाई गोरधनभाई
- 5. केशवजी प्रागजी
- श्रर्जन करणन

- 7. मुलर्जा क्रूंबरजी
- रामजी रबनाथ
- वल्लभदाम गिर्धरभाई
- 10. जेरामभाई लक्ष्मीदास
- 11. हरती रामजी
- 12. वेलजी मानजी
- 13. ज्ञानेस्वर यशवंत
- 14. हर्शदि गंगाराम
- 15: ठाकरजी प्रेमजी
- 16. जोवराज बेलजी
- 17. कांतीलाल ग्रिवराज
- 18. मनीबेन हिरजी
- 19. देवजी धरमणी
- 20. दुकान: 9 मनीबेन हिरजी

No. AR-II/246/345/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Astt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) & Sub-Divided Plot No. 3 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3rd February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1861 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income\_tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Dhanpati Thackersey Hirji alias Dhanpati Thackersey.
  - (ii) Bhagwandas Jamnadas
  - (iii) Ranjit Jamnadas, 34, Walkeshwar Road, Bombay-6. -(Transferor).
- (2) Shri Gianchand Thanwandas Jethwani, Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82—(Transferee).
- \*(3) Shri/Smt./Kum..... (Person in occupation of the property).
- \*(4) (i) Smt. Taramati. w/o. Bhagwandas Jamnadas.

- (ii) Smt. Ranjana, w/o. Ranjit Jamnadas.(iii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
- (iv) Shri Ishwardas Thanwardas Jathwani.
- \*(4) Shri/Smt./Kum.....(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

All that vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old Survey No. 231 (part) and New Survey No. 380 (part) and forming part of the land described in the First Schedule hereinabove written and bearing Sub-Divided Plot No. 3 admeasuring to 858 square yards equivalent to 717.38 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH by Water Dust Lines; ON or towards the SOUTH by 30 Road and beyond that by sub-divided Plot No. 7: ON or towards the EAST by sub-divided Plot No. 4 of the Soid Scheme and ON or towards the WEST by sub-divided Plot No. 2 of the said scheme.

#### ANNEXURE 'A'

#### The First Schedule

All that vacant pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Mulund in Taluka South Salsette in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra bearing Old S. No. 231 and New S. No. 380 (part) and admeasuring 22116 square yards equivalent to 18492.29 square metres or thereabouts and bounded as follows: ON or towards the NORTH PARTLY by land bearing Survey No. 376 and partly by land reserved for Dhobi Heusing; ON or towards the SOUTH by the land reserved for forests; ON or towards the WEST by the land bearing Survey No. 351 (part) and reserved for forests and ON or towards the EAST partly by the land hearing Survey No. 232 (part) and by land bearing Survey No. 377.

**स**०ग्र**०६०--2/246/345/72-73---** ग्रन: मुझेश्री न०द० ग्रन्जारिया, नहायक (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2 बम्बई, ग्रायकर ग्रधितियम. 1961 269 ख के प्रर्धाःन सक्षम 43) की धार (1961)यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य25,000/–5० से ग्रिधिक है और जिसकी सं० नया स०स० 380 (श्रंश), उप-विभाजित प्लाट सं० 3 है, जो मुल्ण्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. बम्बई में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधिन 3-2-1973

<sup>\*</sup>Strike off where not applicable.

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए र्राजस्ट्रोकृत विर्नेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 कि 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्त-रितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, भौर भतः भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त मम्पत्ति के भ्राजीन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभलिखत किए गए हैं।

ग्रतः ग्रब धारा 269-ग ग्रनुसरण में, मैं ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रर्थातः--

- 1. श्री/श्रीमती/कुमारी 1. धनपती ठाकरसी हिरजी उर्फ धनपती ठाकरसी ।
  - 2 श्री रणजीत जमनादास
  - 3. श्री भगवानदास जमनादास 34. वाक्षकेण्वर रोड. बस्बई-6 । (श्रस्तरक)
- 2. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री ग्यानचंद थांवरदाम जेठप्रानी/ब्लाक नं० 4/6, मुलुण्ड कालनी, बम्बई-82 (ग्रन्तरिती)
  - \*3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभाग मे सम्पत्ति है)
    - श्री/श्रीमती/कृमारी 1 श्रीमती तारामती भगवानदास जमनादास
      - 2. श्रीमती रजना रणजीत जमनादास
      - 3. श्री भगवान दास जमनादास
      - 4. श्री ईश्वरदास थांवरदास जेठवानी । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**ढ़ है**)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

<sup>\*(</sup>जो लागून हो उसे काट दीजिए)

(ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोष्टम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिपूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एनव्द्वारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकराण : इसमें प्रयुक्त शब्दो शौर पदों का जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रिजस्ट्री उप-जिला के दक्षिण सैलसेट्ट तालुका के मुलुण्ड में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुम्रा है जिसका पुराना सर्वेक्षण कं० 231 (श्रंग) एवं नया सर्वेक्षण कं० 380 (श्रंग) है एवं यहां ऊपर उल्लिखित प्रथम मनुसूची में विणित भूमि का श्रंग है तथा उप-विभाजित प्लाट क० 3 धारण किये हुए हैं जो कि माप से करीब 858 वर्ग गन्न यानी कि 717 38 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा निम्न प्रकार से धिरा हुम्रा है:---

उत्तर में या भ्रोर-बाटर डच लाईन, दक्षिण में या भ्रोर-30 फीट सड़क तथा उससे भ्रागे उप-विभाजित प्लाट कं० 7, पूर्व में या भ्रोर-उपरोक्त योजना का उप-विभाजित प्लाट कं० 4, पश्चिम में या भ्रोर-उपरोक्त योजना का उप-विभाजित प्लाट कं० 2।

# परिक्षिक 'स्र

# प्रथम ग्रनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रिजस्ट्रो उप-जिला के दक्षिण सालसेट्ट तालुका के मुलण्ड में स्थित मीजूद एवं पड़ा हुआ है, जिसका पुराना सर्वेक्षण कं० 231(श्रंश) एवं नया मर्वेक्षण कं० 380 (श्रंश) हैं जो कि माप से करीब 22116 वर्ग गज यानी कि 18492 29 वर्गमीटर के समकक्ष हैं तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—उत्तर में या श्रीर—कुछ श्रंश सर्वेक्षण कं० 376 वाली भूमि एवं कुछ श्रंश घोषी गृह के लिए श्रारक्षित भूमि, दक्षिण में या श्रीर—जंगल के लिये श्रारक्षित भूमि, पिक्चम में या श्रीर—सर्वेक्षण कं० 351 (श्रंश) वाली भूमि एवं जंगल के लिये श्रारक्षित भूमि, पूर्व में या श्रीर—कुछ श्रंश सर्वेक्षण कं० 232(श्रंश) वाली भूमि एवं सर्वेक्षण कं० 377 वाली भूमि।

**<sup>†</sup>साथ में यहां पर संलग्न परिणिष्ट के मुताबिक** ।

- No. AR-II/247/348/72-73.—Whereas, I Shri N. D. Anjaria, the Inspecting Astt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing New S. No. 380 (part) Sub-Divided Plot No. 8 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3rd February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Dhanpati Thackersey Hirji allas Dhanpati Thackersey.
  - (ii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
  - (iii) Shri Ranjit Jamnadas, 34, Walkeshwar Road, Bombay-6.—(Transferor).
- (2) Shri Kishanchand Thanwandas Jethwani. Block No. 4/6, Mulund Colony, Bombay-82.—(Transferee).
- \*(3) Shri/Smt./Kum.....(Person in occupation of the property)
- \*(4) (i) Smt. Taramati, w/o. Bhagwandas Jamnadas.
  - (ii) Smt. Ranjana, w/o. Ranjit Jampadas.
    - (iii) Shri Bhagwandas Jamnadas.
  - (iv) Shri Ishwardas Thanwandas Jathwani.—(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income.tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

<sup>\*</sup>Strike off where not applicable.